भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं.-5974
उत्तर देने की तारीख 30.03.2026

पीएम-श्री विद्यालयों का कार्यकरण

5974. **डॉ. शिवाजी बंडाप्पा कालगे:**
श्री ज्ञानेश्वर पाटील:

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश के विभिन्न राज्यों, विशेषकर महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में पिछले पांच वर्षों के दौरान, अर्थात् पीएम-श्री योजना की शुरुआत से लेकर आज तक, स्थापित किए गए और वर्तमान में कार्यरत पीएम-श्री विद्यालयों का ब्यौरा क्या है;
(ख) देश में पीएम-श्री विद्यालय पहल के अंतर्गत अवसंरचना और डिजिटल शिक्षण उपकरणों में किए जा रहे सुधारों का ब्यौरा क्या है;
(ग) सरकार द्वारा महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों में ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को उक्त पहल से लाभान्वित करने के लिए किए गए ठोस उपायों का ब्यौरा क्या है; और
(घ) क्या सरकार का देश में पीएम-श्री विद्यालयों में हरित और ऊर्जा-कुशल अवसंरचना प्रदान करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जयन्त चौधरी)

(क): प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसे दिनांक 7 सितंबर, 2022 को अनुमोदित किया गया था, जिसका उद्देश्य केंद्र सरकार/राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र सरकार/स्थानीय निकायों द्वारा प्रबंधित मौजूदा स्कूलों में से 14,500 से अधिक स्कूलों को सुदृढ़ करना है। पीएम एसएचआरआई दिशानिर्देशों के अनुसार, पूरे भारत में स्कूलों की कुल संख्या की ऊपरी सीमा के साथ प्रति ब्लॉक/शहरी स्थानीय निकाय (यूएलबी) अधिकतम दो स्कूलों का चयन किया जाता है। दिनांक 25.03.2026 तक, केविसं, नविस और एनसीईआरटी के साथ-साथ 33 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों से कुल 13,091 पीएम श्री स्कूलों का चयन किया गया है, जिनमें से 799 पीएम श्री स्कूल मध्य प्रदेश राज्य से हैं और 860 पीएम

श्री स्कूल महाराष्ट्र राज्य से हैं। इन पीएम श्री स्कूलों का ब्यौरा पीएम श्री योजना की वेबसाइट के लिंक https://pmshri.education.gov.in/state पर देखा जा सकता है।

(ख): अवसंरचना में सुधार हेतु, देश भर में पीएम श्री स्कूलों को बिल्डिंग एज़ लर्निंग एड (बाला) फीचर, जादूई पिटारा, प्राथमिक व प्रारंभिक स्कूलों में बच्चों के अनुकूल फर्नीचर, आउटडोर खेल सामग्री, अतिरिक्त क्लासरूम आदि तथा माध्यमिक और वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के लिए फर्नीचर, पूर्णतया सुसज्जित एकीकृत विज्ञान प्रयोगशाला/भौतिकी प्रयोगशाला/ रसायन विज्ञान प्रयोगशाला/जीव विज्ञान प्रयोगशाला, स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब आईसीटी लैब, कौशल प्रयोगशाला, अच्छी तरह से सुसज्जित खेल सुविधा युक्त खेल का मैदान, अतिरिक्त क्लासरूम आदि जैसे घटकों से संतृप्त किया गया है।

इसके अतिरिक्त, पीएम श्री योजना में डिजिटल शैक्षिक सामग्री के साथ आईसीटी लैब, स्मार्ट क्लासरूम, कंप्यूटर लैब, इंटरनेट सुविधा और डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना करके पीएम श्री स्कूलों में डिजिटल अवसंरचना में सुधार करने का भी प्रावधान है। शिक्षकों और छात्रों के बीच संसाधनों को साझा करने के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण डिजिटल अधिगम संसाधनों का भंडार प्रदान करने के लिए दीक्षा जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग किया जा रहा है।

(ग): महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभान्वित करने के लिए, पीएम श्री योजना एक समतापूर्ण, समावेशी और आनंदमय स्कूल परिवेश सुनिश्चित करती है जो विविध पृष्ठभूमि और बहुभाषी जरूरतों को पूरा करती है। यह प्रत्येक बच्चे के नामांकन और अधिगम स्तर को ट्रैक करके तथा निःशुल्क यूनिफॉर्म, पाठ्यपुस्तकें और परिवहन/मार्ग रक्षण सुविधाओं जैसे लाभार्थी-उन्मुख अधिकारों के साथ-साथ स्कूल न जाने वाले बच्चों (ओओएससी) के लिए अवसर प्रदान करके सार्वभौमिक भागीदारी को बढ़ावा देता है। यह योजना मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को सुदृढ़ करने, अधिगम संवर्धन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और समग्र विकास के लिए अनुभवात्मक, दक्षता-आधारित एवं शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षाशास्त्र को अपनाने पर भी केंद्रित है। इसके अतिरिक्त, यह विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) और जेंडर समता, एसएमसी/एसएमडीसी के माध्यम से सामुदायिक भागीदारी, सामाजिक चेतना केंद्रों के रूप में स्कूलों का उपयोग, और पड़ोस के अन्य स्कूलों को बेंचमार्किंग नेतृत्व प्रदान करने वाले आदर्श स्कूलों के रूप में पीएम श्री स्कूलों के विकास हेतु समावेशी पद्धतियों पर बल देता है।

(घ): हरित और ऊर्जा-कुशल अवसंरचना प्रदान करने के लिए, पीएम श्री योजना में वर्षा जल संचयन, सौर पैनलों और एलईडी लाइटिंग का उपयोग करके ऊर्जा कुशल प्रणाली, प्राकृतिक खेती के साथ पोषण उद्यान, अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक मुक्त, जल संरक्षण और संचयन, पर्यावरण की सुरक्षा से संबंधित परंपराओं/पद्धतियों का अध्ययन और जैविक जीवन शैली को शामिल करने के लिए जागरूकता पैदा करना जैसे पर्यावरण अनुकूल पहलुओं को शामिल करके पीएम श्री स्कूलों को हरित स्कूलों के रूप में विकसित करने का प्रावधान है। इन मध्यवर्तनों का उद्देश्य देश भर के स्कूलों में एक सतत और पर्यावरण-अनुकूल अधिगम परिवेश का निर्माण करना है।

*****